



सांध्य दैनिक 4PM



बड़ा वेतन और छोटी जिम्मेदारी शायद ही कभी एक साथ पाए जाते हैं।
-नेपोलियन हिल

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की



www.4pm.co.in



www.facebook.com/4pmnewsnetwork



@Editor_SanjayS



YouTube



4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 262 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

टी20 में भारत की दूसरी सबसे बड़ी... 7 एमएलसी चुनाव के नतीजों से भाजपा... 3 सपा की सीटों की गिनती में स्वामी... 2

सेंसर बोर्ड ने फिर घोंट दी 'सहिया' फिल्म की आवाज

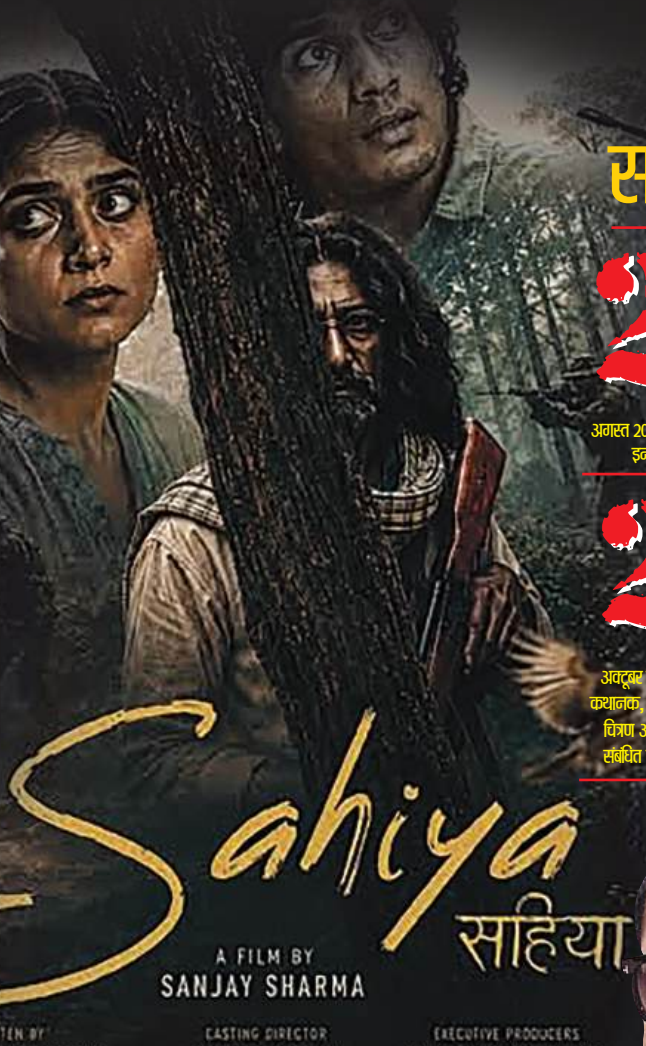
» बदलते रहे आरोप अटकी रही 'सहिया' सेंसर बोर्ड की कसौटी पर उठे बड़े सवाल

» बंदूक नहीं मोहब्बत है सहिया फिर सेंसर बोर्ड को किस बात का डर?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड के आदिवासी परिवेश में पनपती संवेदनाओं की दास्तान सहिया पर एक बार फिर बंदिश का ताला लगाने की कोशिश हुई है। झारखंड के खूबसूरत जंगलों और आदिवासी जीवन की पृष्ठभूमि में बनी हिंदी फीचर फिल्म 'सहिया' एक बार फिर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की आपत्तियों में उलझ गई है। प्रेम, मानवीय संवेदना और अहिंसा के संदेश पर आधारित इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ने पहले 27 अगस्त 2026 को प्रमाणन देने से इनकार कर दिया था।

अब बॉम्बे हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद 27 अक्टूबर को दोबारा फिल्म देखने वाली रिवाइजिंग कमेटी ने भी प्रमाणन अस्वीकार करने की सिफारिश कर दी है। 29 अक्टूबर को जारी पत्र में फिल्म के कथानक, नक्सलवाद, सुरक्षा बलों के चित्रण और आदिवासी समुदाय से संबंधित नई आपत्तियां उठाई गयी हैं जोकि चिंताजनक सवाल पैदा कर रही है।



27

अगस्त 2026 को भी प्रमाणन देने से इनकार कर दिया था।

29

अक्टूबर को जारी पत्र में फिल्म के कथानक, नक्सलवाद, सुरक्षा बलों के चित्रण और आदिवासी समुदाय से संबंधित नई आपत्तियां उठाई गयीं



कपिल सिब्बल ने भी उठाए थे सवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने फिल्म सहिया को देखने के बाद सेंसर बोर्ड के निर्णय पर हैरानी जताई थी। उन्होंने फिल्म को रोकने वाले सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके विचार में ऐसा कोई दृश्य नहीं है जिसके आधार पर उसकी रिलीज रोकने का फैसला उचित लगे।

प्रमाणपत्र दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई की बात भी कही थी। उन्होंने यह सवाल उठाया था कि कहीं फिल्म को रोकने की वजह उसके साथ जुड़ा 4PM नाम तो नहीं है। इस पहलू ने विवाद को एक और दिशा दी। यदि किसी फिल्म को लेकर आपत्ति है तो उसका आधार फिल्म की सामग्री और लागू नियम होने चाहिए। किसी फिल्मकार निर्माता या उससे जुड़े मीडिया संस्थान के नाम नहीं होना चाहिए।

“

सहिया किसी राजनीतिक विचारधारा या हिंसक संगठन के प्रचार के लिए नहीं बनाई गई है। झारखंड के आदिवासी परिवेश में रची गई यह फिल्म प्रेम और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित है। संजय शर्मा

”

दर्शकों को फैसला करने दीजिए

निर्माता-निर्देशक संजय शर्मा ने कहा कि भारतीय दर्शक किसी फिल्म के पात्रों, कहानी और संदेश के बीच अंतर समझने में सक्षम हैं। उनके अनुसार, फिल्म की कहानी का रहस्य बनाए रखना जरूरी है ताकि दर्शक सिनेमाघर में उसे स्वयं अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि हमने कोई राजनीतिक प्रचार फिल्म नहीं बनाई है। हमने किसी हिंसक संगठन का समर्थन नहीं किया है।



हमने एक संवेदनशील प्रेम कहानी बनाई है जिसमें मानवीय भावनाएँ और इंसानियत का संदेश है। मैं फिल्म की कहानी का खुलासा नहीं करना चाहता। मैं चाहता हूँ कि दर्शक सिनेमाघर में जाकर इसे देखें और स्वयं तय करें कि इसमें ऐसा क्या है जिसे लेकर इतनी आपत्तियाँ उठाई जा रही हैं। संजय शर्मा ने कहा कि उन्हें देश की न्यायिक व्यवस्था और सवैधानिक संस्थाओं पर पूरा विश्वास है। निर्माता की ओर से रिवाइजिंग कमेटी की सिफारिश को चुनौती देने उपयुक्त श्रेणी में प्रमाणन देने और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने की मौन की गई है। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

नक्सलवाद का समर्थन नहीं इंसानियत की बात करती है फिल्म

संजय शर्मा ने स्पष्ट किया है कि सहिया किसी राजनीतिक विचारधारा या हिंसक संगठन के प्रचार के लिए नहीं बनाई गई है। झारखंड के आदिवासी परिवेश में रची गई यह फिल्म प्रेम और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित है। उनका कहना है कि किसी नक्सल प्रभावित क्षेत्र को कहानी की पृष्ठभूमि बनाना या उसमें नक्सली पात्रों की मौजूदगी अपने आप में उस विचारधारा का समर्थन नहीं हो सकता। निर्माता की ओर से दिए गए कानूनी तर्कों में 'न्यूटन', 'हैदर', 'चक्रव्यूह', 'पान सिंह तोमर', 'सोनचिड़िया' और 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' जैसी फिल्मों के उदाहरण भी रखे गए हैं। इनका हवाला देते हुए सवाल उठाया गया है कि सामाजिक संघर्ष, हिंसा, सुरक्षा बलों और संवेदनशील क्षेत्रों की परिस्थितियों पर आधारित फिल्मों का मूल्यांकन करते समय एक समान और स्पष्ट मानदंड क्यों न अपनाए जाएँ?

एक फिल्म दो बार आपत्ति
आखिर बदल क्या गया?

सहिया के प्रमाणन के लिए 30 मई 2026 को आवेदन किया गया था। 20 जुलाई को एग्जामिनिंग कमेटी ने फिल्म देखी और मामला रिवाइजिंग कमेटी तक पहुंचा। 12 अगस्त को सुनवाई हुई और 27 अगस्त को प्रमाणन देने से इनकार कर दिया गया। इसके बाद मामला बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचा जहां 27 अक्टूबर को फिल्म की दोबारा समीक्षा हुई और 29 अक्टूबर के पत्र में कथानक, नक्सलवाद, सुरक्षा बलों के चित्रण तथा आदिवासी महिलाओं से संबंधित आपत्तियां सामने

आयी है। निर्माता-निर्देशक संजय शर्मा का कहना है कि फिल्म का मूल्यांकन उसके पूरे कथानक और समग्र संदेश के आधार पर होना चाहिए। किसी एक संवाद या दृश्य को संदर्भ से अलग करके पूरी फिल्म की मंशा तय करना उचित नहीं है। उनका सवाल है कि यदि किसी खास दृश्य पर आपत्ति है तो उसे स्पष्ट रूप से बताया क्यों नहीं जाता?

फिल्म का मूल्यांकन उसके पूरे कथानक और समग्र संदेश के आधार पर होना चाहिए।

सपा की सीटों की गिनती में स्वामी प्रसाद मौर्य शामिल नहीं : अखिलेश

» अखिलेश की न पर स्वामी प्रसाद मौर्य का कांग्रेस ने किया स्वागत, बड़ी हलचल
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा स्वामी प्रसाद मौर्य की एंट्री से इंकार के बाद, अब इस मसले पर कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी राय है और जो इंडिया गठबंधन में आना चाहता है उसका स्वागत है। यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अक्टूबर की शुरुआत में दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात थी। इसके बाद उन्होंने अपनी जनता पार्टी के इंडिया गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से जब इसको लेकर सवाल पूछा गया तो उनका लहजा सख्त हो गया। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य हमारे गठबंधन में नहीं हैं। वे सपा की सीटों की गिनती में नहीं शामिल हैं। उन्होंने मीडिया से उनको इग्नोर करने की बात भी बोल दी। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य और अखिलेश यादव के बीच ये तल्खी पुरानी है। 2022 यूपी चुनाव से ठीक पहले स्वामी प्रसाद मौर्य बीजेपी छोड़कर सपा में आ गए थे। सपा ने उनको पार्टी का महासचिव और



इंडिया गठबंधन की रैली में रविवार को शामिल होंगे अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में धांधली, फर्जी

फार्म-7 भरवाने और वोट काटने के मामलों पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई नहीं की। सपा लगातार शिकायत कर रही है। उन्होंने आयोग से गामसभा

स्तर पर उपलब्ध बायोमीट्रिक तकनीक के इस्तेमाल, आधार कार्ड को मेटल का बनाने और मतदाता सूची को आधार से जोड़ने की मांग की।

मौर्य ने पीडीए पॉलिटिक्स पर उठाए थे सवाल

सपा छोड़ने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार अपनी सभाओं और प्रेस वार्ताओं में सपा और अखिलेश यादव पर निशाना साधते रहे हैं। एक बार उन्होंने सपा की पीडीए राजनीति पर सवाल उठाया। मौर्य ने कहा था- अखिलेश यादव पीडीए में डी का मतलब कभी दलित बताते हैं तो कभी डिपल यादव। जिस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं कंप्यूटर हो, वह अपनी पार्टी और प्रदेश को क्या दिखा दे सकता है?

एमएलसी भी बनाया। वैचारिक मतभेदों के चलते स्वामी प्रसाद मौर्य ने 2024

अमित शाह के दौरे पर अखिलेश का तंज बोले- बड़ी देर कर दी मेहरबां आते-आते

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूपी में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के बयान पर कटाख किया। उन्होंने शायदशा अंदाज में कहा, बड़ी देर कर दी मेहरबां आते-आते। अखिलेश ने कहा कि भाषणों से कुछ तय नहीं होता। भाजपा लोकसभा और विधान परिषद चुनाव हार चुकी है। वाराणसी में भी भाजपा की डबल इंजन की डबल हार हुई है। अब

की शुरुआत में सपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। साथ ही

किसी के मन में क्या कोई नहीं जानता

स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा छोड़ने के बाद अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया भी सामने आई थी। उन्होंने कहा था कि किसी के मन में क्या चल रहा है यह कोई नहीं जानता है। यहां हर कोई अपने फायदे के लिए भाग रहा है।

अखिलेश से वैचारिक मतभेद है, मनभेद नहीं : मौर्य

आपको बता दें कि सपा छोड़ने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा था कि अखिलेश यादव से उनका वैचारिक मतभेद है मनभेद नहीं है। अखिलेश यादव समाजवादी विचारधारा से विपरीत जा रहे हैं। मौर्य के मुताबिक, उन्होंने अखिलेश यादव के नाम अपने इस्तीफे का पत्र भेजा था, लेकिन अखिलेश ने उनसे बात करना मुनासिब नहीं समझा।



अभी राजनीति से संन्यास नहीं लूंगा, मोकामा से खुद लड़ूंगा चुनाव : अनंत सिंह

» बोले विधायक मेरे साथ खेला हुआ
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद मोकामा के विधायक अनंत सिंह एक बार फिर से पत्रकारों के सामने आए। उन्होंने अपने पुराने बयान से यू-टर्न ले लिया। साफ कर दिया है कि मेरे साथ खेला हुआ इसलिए अब मैं संन्यास नहीं लूंगा। आगे भी मोकामा से चुनाव लड़ूंगा। उनसे जब पूछा गया कि क्या अब उनके बेटे मोकामा से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि अगर इसी तरह का खेल चलता रहा तो आगे भी वे खुद ही चुनाव मैदान में उतरेंगे।



उन्होंने बताया कि पहले उनकी इच्छा थी कि बेटा राजनीति में आए और मोकामा से चुनाव लड़े, लेकिन अब इस पर अब बाद में फैसला होगा। बता दें कि जब नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा था तब अनंत सिंह ने राजनीति से संन्यास लेने की बात कही थी। उस वक्त कहा था कि 2030 के विधानसभा चुनाव में वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। अब उनका बेटा राजनीति में आएगा। लेकिन, जदयू से निष्कासन के बाद उन्होंने फिर से चुनाव लड़ने की बात कही। विधायक अनंत सिंह ने दुलारचंद यादव हत्याकांड में खुद को फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए जदयू एमएलसी नीरज कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि दुलारचंद यादव की हत्या नीरज कुमार ने करवाई है।

वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में यूपी रचेगा इतिहास : आराधना मिश्रा 'मोना'

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वयं संभाली कमान
» कंट्रोल रूम से सभी 6 जोन और 75 जिलों की तैयारियों पर सीधी निगरानी
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क?

लखनऊ। लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने अपनी पूरी संगठनात्मक ताकत झोंक दी है।

दिल्ली के वार रूम से राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी संगठन के सी वेणुगोपाल जी प्रत्येक राज्य में रैली की



सभी छः जोन, 75 जिले और पूरा संगठन सक्रिय

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' ने बताया कि रैली की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रदेश के सभी छः जोन- पश्चिम, बुज, अवध, बुंदेलखंड, प्रयाग और पूर्वांचल जोन में संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। सभी 75 जिलों में जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर दिल्ली पहुंचने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। पार्टी के सभी फ्रंटल संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों को भी सक्रिय जिम्मेदारियों सौंपी गई है, ताकि प्रत्येक स्तर पर बेहतर तालमेल और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

तैयारियों की कमान संभाल रहे हैं। दिल्ली वार रूम से उत्तर प्रदेश मुख्यालय स्थित कनेक्ट सेंटर (कांग्रेस वार रूम) के माध्यम से पार्टी के सभी फ्रंटल संगठनों, विभागों, सभी छः जोनों और प्रदेश के सभी 75 जिलों की तैयारियों की लगातार समीक्षा एवं मॉनिटरिंग कर रही हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस ने रैली

में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है। जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को सक्रिय करते हुए कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। पार्टी का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस महारैली को ऐतिहासिक बनाए और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश देश के कोने-कोने तक पहुंचे।

मिड-डे मील को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा को घेरा

» बोले पार्षद प्रवीण कुमार मिलेंगे छह रुपये, खर्च आठ रुपये होंगे
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में मिड-डे मील योजना के ठेके को लेकर आमदमी पार्टी के पार्षद प्रवीण कुमार ने सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि एमसीडी की ओर से मिड-डे मील उपलब्ध कराने वाली एनजीओ को प्रति बच्चे के भोजन के लिए महज छह रुपये दिए जाएंगे, जबकि भोजन तैयार करने और रसोई का किराया सहित अन्य खर्च मिलाकर एनजीओ पर करीब आठ रुपये प्रति बच्चा भार आएगा।

ऐसे में छह रुपये के भुगतान से आठ रुपये तक का खर्च कैसे पूरा होगा और बच्चों को पौष्टिक भोजन कैसे उपलब्ध

कराया जाएगा? प्रवीण कुमार ने कहा कि मिड-डे मील की व्यवस्था में भोजन की लागत के साथ रसोई का किराया और अन्य परिचालन खर्च भी शामिल हैं। इसके बावजूद एमसीडी की ओर से निर्धारित भुगतान वास्तविक खर्च से कम होने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी कम राशि में भोजन की गुणवत्ता और पोषण संबंधी मानकों को बनाए रखना कैसे संभव होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेका आवंटित करने से पहले वास्तविक लागत और जमीनी परिस्थितियों का समुचित आकलन नहीं किया गया।



शाह के सभी राजनीतिक हथकंडे फेल हो चुके हैं : गौतम

» कांग्रेस नेता ने यूसीसी पर बीजेपी को घेरा
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा यूपी में यूसीसी लागू करने के बयान पर राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा, उन्हें अब तक किसने रोका था? वे इसे बहुत पहले ही लागू कर सकते थे। इससे क्या फर्क पड़ जाता? सच तो यह है कि अब वे हताशा में ऐसे बयान दे रहे हैं।

वे डरे हुए हैं, क्योंकि उनके सभी राजनीतिक हथकंडे फेल हो चुके हैं। वे कब तक हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा उठाते

रहेंगे? अब तो यह मुद्दा भी काम नहीं कर रहा। योगी जी, इससे तो बेहतर है कि आप आत्महत्या ही कर लें। आपके राज्य में बच्चे अपना खून बेच रहे हैं और आपने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है यह शर्म की बात है। एक नवंबर को होने जा रही इंडिया गठबंधन की रैली पर राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकारें लोगों को इस रैली में



देश में इंडिया गठबंधन को जो मजबूत करना चाहता है, उसका स्वागत है : राजेन्द्र पाल गौतम

राजेन्द्र पाल गौतम ने यह बयान अखिलेश यादव द्वारा स्वामी प्रसाद मौर्य को न लेने के बयान पर दिया है। उन्होंने कहा, बातचीत तो अभी शुरू ही हुई है। इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की प्रक्रिया चल रही है। जो कोई भी देश में इंडिया गठबंधन को मजबूत करना चाहता है, उसका स्वागत है। यह उनकी निजी राय हो सकती है, लेकिन इंडिया गठबंधन में जो कोई भी संविधान और लोकतंत्र में विरवास रखता है और देश को मजबूत करना चाहता है, उसका स्वागत है।

शामिल होने से रोकने के लिए हर मुमकिन हथकंडा अपना रही हैं।

एमएलसी चुनाव के नतीजों से भाजपा का बढ़ गया तनाव

विस-27 चुनाव से पहले दिखी पीडीए की ताकत

- » सपा ने बीजेपी को दिया करारा झटका
- » भाजपा में सेंधमारी से खुद का गढ़ मजबूत करने की कवायद में सपा
- » बागियों से भी गलबहियां की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। एमएलसी चुनाव में सपा की धाखड़ प्रदर्शन से भाजपा की रंगत तो उड़ी ही है। उसके पेशानी व तनाव साफ दिखाई दे रहा है। चार सीटों पर सीधी जीत ने सपा मुखिया ने अपने पीडीए के फार्मूले को मजबूती के साथ प्रदेश में फिट कर दिया है। अगर यही पैटर्न रहा तो इसमें कोई शक नहीं सपा 2027 विस चुनाव में जबरदस्त कम बैक कर सकती है। वहीं सपा में कई पुराने नेता वापसी करने की जुगत लगाने लगे हैं। समाजवादी पार्टी सोशल इंजीनियरिंग से रुहेलखंड क्षेत्र जीतने की कोशिश में है। भाजपा में सेंधमारी से खुद का गढ़ मजबूत करने की कवायद चल रही है। सपा को बागियों से भी संजीवनी मिल रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है, लेकिन बरेली मंडल की सियासत में बारूद बिछ चुका है।

पिछले विधानसभा चुनाव में बदायूं बरेली में जड़ें जमाने और फिर लोकसभा चुनाव में भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाने वाली सपा अब पूरे रुहेलखंड में बिसात बिछाने में जुट गई है। भाजपा में उपेक्षित पड़े नेताओं और हाशिये पर आए पुराने समाजवादियों को जोड़कर सपा ने सियासी चक्रव्यूह की रचना शुरू कर दी है। यूं तो बदायूं सपा का पुराना गढ़ रहा है, लेकिन मोदी-योगी युग शुरू होते ही भाजपा यहां हावी हो गई थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने बदायूं की तीन और बरेली की दो सीटों पर कब्जा कर दोबारा ताल ठोंकी थी। फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में बदायूं और आंवला जैसी सीटों पर मिली बढ़त ने सपाइयों में जोश भरा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मंडल में गैर-यादव ओबीसी, खासकर शाक्य और कश्यप बिरादरी को जोड़कर पार्टी अपने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले को जमीन पर उतारने में जुटी है। वहीं भाजपा ब्रज प्रांत के अध्यक्ष पूरनलाल लोधी से नेताओं के सपा छोड़ने के सवाल पर कहा कि चुनावी बारिश का वक्त है। तालाब व पोखर उफन जाते हैं लेकिन समुद्र पर कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ जगह सपा ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। मेरठ और बरेली खंड में बीजेपी का डंका बजा, जबकि वाराणसी शिक्षा सीट पर सपा उम्मीदवार ने जीत हासिल की। मतगणना के लिए लखनऊ, वाराणसी,

धर्मेंद्र कश्यप पहले ही कर चुके हैं किनारा

आंवला से भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप पहले ही भाजपा छोड़ चुके हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में बदायूं की दो सीटें दातागंज व शेखपुरा आती हैं। वह भी भाजपा में असंतोष झेल रहे थे। सपा की ओर रुख करके उन्होंने अति-पिछड़े तबके, खासकर कश्यप और मल्लाह बिरादरी में सियासी असंतोष को भुनाने की कोशिश है। ऐसे ही शाहजहापुर से प्रदीप पांडेय, तिलहर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सौरभ सिंह गांधी और बसपा के रामाकांत गौतम की आमद से सपा यह संदेश देना चाहती है कि उसका गठबंधन सिर्फ पारंपरिक जातियों तक सीमित नहीं है। पीलीभीत में पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू को जोड़कर सपा ने परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश की है।



आगरा, मेरठ, झांसी, बरेली और गोरखपुर में केंद्र बनाए गए। सभी जगह सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक, मतगणना की पूरी प्रक्रिया प्रेक्षकों और रिटर्निंग अधिकारियों की निगरानी में होगी। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों और वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है। राजधानी लखनऊ में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के वोटों की गिनती रमाबाई रैली स्थल पर होगी। इसके लिए अलग-अलग हॉल बनाए गए हैं। वहीं, वाराणसी में स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन, आगरा में नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति, मेरठ में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में बुंदेलखंड डिग्री कॉलेज, बरेली में संजय कम्प्युनिटी हॉल और गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय को मतगणना केंद्र बनाया गया है।

कुशाग्र का जाना मजबूरी, बरसों से सपा-भाजपा को नहीं मिला तीसरा चेहरा

सुरक्षित सीट के पूर्व विधायक सपा ने बदायूं की बिसौली कुशाग्र सागर को साथ लिया है। कुशाग्र दुष्कर्म के चर्चित मामले में सजा काट रहे पूर्व विधायक योगेंद्र सागर के पुत्र हैं। पिछले चुनाव में उन्हें बेहद

कम अंतर से सपा के आशुतोष मोर्य से हार मिली थी। इस बार आशुतोष भाजपाई हो गए हैं। 25 साल से आशुतोष व कुशाग्र के परिवार ही सपा-भाजपा या बसपा की राजनीति के केंद्र में रहे हैं।

पहले सुरक्षित सीट बिल्सी होने पर आशुतोष के पिता भोलाशंकर मोर्य यहां से लगातार विधायक बने और मंत्री भी रहे। फिर योगेंद्र सागर यहां से विधायक बने। अब बिसौली सीट सुरक्षित होने पर आशुतोष व

कुशाग्र यहां क्रमवार जीतते रहे हैं। आशुतोष के भाजपा में जाने के बाद कुशाग्र के पास सपा में जाने का ही विकल्प था। अब दोनों ही नेता बदली हुई पार्टियों से आमने-सामने चुनाव लड़ सकते हैं।

सपाई ही थे सिनोद, नहीं मिला टिकट तो एमएलसी चुनाव में बदला पाला

सिनोद शाक्य दातागंज से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में भी वह सपा में ही थे, लेकिन कैप्टन अर्जुन के मुकाबले टिकट नहीं पा सके। सपा ने उन्हें एमएलसी चुनाव में प्रत्याशी बनाया। राजनीतिक हालात भांपकर सिनोद ने एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बागीश पाटक के मुकाबले अपना नामांकन ऐन मौके पर

वापस ले लिया। इससे बागीश निर्विरोध चुनाव जीत गए। अब सपा में उनके मुकाबले कैप्टन अर्जुन, पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप की बेटी कीर्ति कश्यप व पूर्व विधायक प्रेमपाल सिंह यादव के बेटे जैसे कई नेताओं के नाम आते हैं। एक को टिकट मिलने पर बगावत की गुंजाइश भी बरकरार है। सपा ने बदायूं के ही नेता केसी शाक्य को साथ लिया है।



चुनावी बारिश में उफनते हैं पोखर और तालाब : लोधी

भाजपा ब्रज प्रांत के अध्यक्ष पूरनलाल लोधी से नेताओं के सपा छोड़ने के सवाल पर कहा कि चुनावी बारिश का वक्त

है। तालाब व पोखर उफन जाते हैं लेकिन समुद्र पर कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा के संपर्क में भी दूसरे दलों के कई नेता

हैं, लेकिन वक्त आने पर पते खोले जाएंगे। ये बदलाव सामान्य प्रक्रिया है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

पिछड़ों की गोलबंदी में भाजपा भी पीछे नहीं

इस घेराबंदी के बीच भाजपा भी मंडल के कुर्मी और लोथ मतदाताओं को एकजुट रखने के लिए बड़ा सियासी दांव चल चुकी है। पार्टी ने झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार और प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह को राज्यसभा भेजकर यह संदेश दिया है कि अपने मजबूत आधार को वह किसी भी कीमत पर खिसकने नहीं देगी।

ईमानदारी से चुनाव होते तो सपा 11 सीटें जीतती : राजपूत

चुनाव के नतीजों पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत कहते हैं, यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया होने वाला है। अगर ये चुनाव ईमानदारी से कराए गए होते, तो इंडिया गठबंधन, यानी समाजवादी पार्टी, सभी 11 सीटें जीत जाती।



जीत से गदगद हैं सपा प्रमुख

माजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य के बयान का जिक्र कर बड़ा सियासी दांव चल दिया है। यूपी के पूर्व सीएम ने दावा किया है कि यूपी एमएलसी चुनावों में सपा की जीत से केशव भी अंदर ही अंदर खुश हैं। कन्नौज सांसद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि-दरअसल पीडीए की जीत पर ये भी अंदर-ही-अंदर खुश हैं, घर छोड़ देने से कोई पराया नहीं हो जाता है। अखिलेश ने लिखा कि अगर षडयंत्रकारी भाजपाइयों ने गोरखपुर में घोड़े की ढाई चाल न चली होती तो वहां भी बनारसवाला हाल होता, कुल मिलाकर तो गोरखपुर भी

भाजपा नैतिक रूप से हार ही गई है, बनारस के अंतिम नतीजे आने तक हमारी अपने सभी कार्यकर्ताओं से ये अपील है कि जब तक हाथ में जीत का प्रमाण नहीं, तब तक विश्राम नहीं। अखिलेश ने लिखा कि एमएलसी चुनावों ने भाजपा का बोरिया बिस्तर बांध दिया है। घोर बेईमानी और प्रशासनिक हेराफेरी के बावजूद भी भाजपा की दुर्गति कोई नहीं रोक पाया। जिन भ्रष्ट अधिकारियों ने भाजपा की चाकरी की है, उन सबको पीडीए सरकार आने पर जनता के कटघरे में खड़ा किया जाएगा। एक अन्य पोस्ट में सपा चीफ ने कहा कि देखना ये है कि बनारस का नतीजा बैलेट पेपर की गणना से आता है या

लखनऊ से आए 'दूरदृष्ट-दूरभाष' की टनटनाहट से। 'पीडीए प्रहरियों' की आँखें ही नहीं, कान भी पूरी तरह मुस्तेद हैं और सारे पुख्ता सबूत भी जुटा लिए गए हैं। चेतावनी देने के बाद भी अगर नतीजे में हेरफेर करने की कोशिश की गई तो एक-एक 'सलिस अधिकारी' को कोर्ट में घसीटा जाएगा, तब किसी 'सर का असर' काम नहीं आयेगा न ही उन्हें बचाने भाजपाई आएं क्योंकि भाजपा किसी की सगी नहीं है। बनारस ने भाजपाइयों की नाकामी का रोडशो निकाल दिया है। वाराणसी के अपने कार्यकर्ताओं से फिर से हमारी अपील है, जब तक जीत का प्रमाण नहीं, तब तक विश्राम नहीं!



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

वन्य जीवों के संरक्षण पर गंभीर विचार जरूरी

कभी सरकारी व्यवस्था पर हंसी आती है। दरअसल बात मग्न के कुनो में लाए गए विदेश चीतों की है। श्योपुर के जंगल में चीता निर्वा के घायल मिले 19 माह के शावक केएनजी-22 की मौत ने इस सफलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकार के इरादे से उस पर गोली चलाई गई या ग्रामीणों ने उसे भगाने के लिए एयरगन का इस्तेमाल किया, यह जांच के बाद ही सामने आएगा, लेकिन दोनों ही परिस्थितियां वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों की ओर इशारा करती हैं। यह घटना चेतावनी है कि चीतों को अनुकूल वातावरण, पर्याप्त भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें मानवीय गतिविधियों से सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब वे जंगलों में सुरक्षित जीवन जी सकें। हालांकि विदेशी धरती से मध्य प्रदेश के जंगलों में लाए गए चीतों का भारतीय जलवायु में ढलना और उनकी संख्या बढ़ना वन्यजीव संरक्षण के लिहाज से उत्साहजनक है।

देश में बाघ संरक्षण का अनुभव इस दिशा में उपयोगी हो सकता है। बाघों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए गए। संरक्षित क्षेत्र, निगरानी, शिकार निरोधक दल और वन विभाग की सक्रियता जैसे उपायों ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चीतों के मामले में भी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ऐसी व्यवस्था मजबूत करनी होगी। उनके विचारण वाले इलाकों में नियमित गश्त, कैमरा ट्रैप, जीपीएस आधारित निगरानी और संवेदनशील स्थानों पर वनकर्मियों की तैनाती बढ़ानी होगी। स्थानीय ग्रामीणों को भी संरक्षण अभियान का भागीदार बनाना अनिवार्य है। जंगल के आसपास रहने वाले लोगों को समझाना होगा कि चीता दिखने पर घबराकर उस पर हमला करना या उसे भगाने के लिए एयरगन अथवा दूसरे हथियारों का इस्तेमाल करना खतरनाक है। वन विभाग को चाहिए कि वह गांवों में नियमित जागरूकता शिविर आयोजित करे। स्थानीय भाषा में पोस्टर, पंचों और छोटे वीडियो के माध्यम से बताया जाए कि चीता दिखाई देने पर सुरक्षित दूरी बनाए रखें, उसके पास जाने या उसे घेरने की कोशिश न करें और तुरंत वन विभाग को सूचना दें। गांवों में संपर्क अधिकारी नियुक्त करना और चौबीसों घंटे सक्रिय हेल्पलाइन उपलब्ध कराना उपयोगी हो सकता है। ग्रामीणों को भरोसा भी दिलाना होगा कि उनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की प्राथमिकता है। इससे ग्रामीणों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

असहमति की आवाज कानून-संविधान विरुद्ध नहीं

विश्वनाथ सचदेव

दशकों पुरानी बात है, जब मैंने पहली बार प्रदर्शनकारियों को यह नारा लगाते सुना था—सरकार बदलने वाला नारा। जिस जोश से यह नारा लगाया जा रहा था, उसे मेरे बाल मन ने कहीं गहरे तक छुआ होगा, तभी तो आज तक याद है। वह नारा था—‘रोटी-रोजी दे न सके जो, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’ नारा लगाने वालों के हाथों में ‘जनसंघ’ के झंडे थे। कल की वही जनसंघ पार्टी आज भारतीय जनता पार्टी कहलाती है। अब यह पार्टी सत्ता में है और अब इस पार्टी की सरकार बदलने के नारे लग रहे हैं। नारा लगाने वालों में प्रमुख वही कांग्रेस है, जिसकी सरकार को बदलने की बात दशकों पहले भाजपा की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ किया करती थी। और इसमें कहीं कुछ गलत भी नहीं है। हमारी व्यवस्था जनतांत्रिक है। जनतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार पर नज़र रखना और जरूरत पड़ने पर उसे बदलने की कोशिश करना है।

आज कांग्रेस पार्टी अन्य दलों के साथ मिलकर सत्ता बदलने की बात कर रही है। भाजपा ने चुनाव जीतकर यह सत्ता हासिल की थी। यह दूसरी बात है कि आज के विपक्ष का आरोप है कि भाजपा ने यह जीत वोट पाकर नहीं, बल्कि वोट चुराकर हासिल की है। इस ‘वोट हेराफेरी’ के खिलाफ देश में अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन हो रहे हैं। चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। जरूरी है कि इन आरोपों की जांच हो। दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए। सत्ता में बैठी ताकतें यदि कुछ गलत कर रही हैं, तो उसे सही करने के लिए हर संभव कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यह सब जनतांत्रिक तरीके से ही होना चाहिए। पिछले आठ दशकों में हमने अपने देश में जनतांत्रिक व्यवस्था को पूरी शिद्दत के साथ सुदृढ़ बनाया है। हमारे यहां राज्यों और केंद्र में सरकारें बदली हैं। आज फिर यदि सरकार बदलने की बात की जा रही है, तो इसमें कहीं कुछ गलत नहीं

है। जनतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता बदलने का एकमात्र उचित तरीका जनता का विश्वास प्राप्त करना है। अब तक जनता के वोट से ही सरकारें बनती और बदलती रही हैं और आगे भी जनता का विश्वास प्राप्त करना ही सरकार बनाने का वैध तरीका होगा।

मतदाता के पास जाकर और उसका विश्वास जीतकर ही कोई चुनाव जीता जा सकता है। चुनाव आयोग पर ‘अनियमितताओं’ का आरोप लगाकर विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रहा है। आरोप यदि सही हैं, तो इस मांग में कहीं कुछ गलत नहीं है। लेकिन हमारी व्यवस्था के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को निर्धारित



संवैधानिक प्रक्रिया के तहत ही पद से हटाया जा सकता है। विपक्ष उनसे इस्तीफे की मांग भी कर सकता है। देश में जिस तरह अलग-अलग स्थानों पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, उसे देखते हुए स्थिति सुधारने की दिशा में तत्काल कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अब विपक्ष चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र ही नहीं मांग रहा, बल्कि सरकार बदलने की बात भी हो रही है। अब एक बार फिर यह नारा जोर पकड़ रहा है कि ‘जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है।’ यह बात फिर से रेखांकित किया जाना जरूरी है कि हमारे देश में सरकार मतदाता ही बदल सकता है। सत्तापक्ष अब जोरों से यह बात कहने लगा है कि देश में चल रहे वर्तमान आंदोलन का उद्देश्य चुनाव आयुक्त को हटाना नहीं, बल्कि सरकार बदलना है। भाजपा के नेतृत्व वाली

एनडीए सरकार अब यह आरोप लगाने में लगी है कि विपक्ष और देश-विरोधी ताकतें सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं—और वह भी हमारे पड़ोसी नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों की तर्ज पर! यदि आज कोई बांग्लादेश से प्रेरणा लेकर भारत में सत्ता-परिवर्तन की बात कर रहा है, तो यह उसका निजी विचार हो सकता है। उसे यह समझने की आवश्यकता है कि जनतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करने वाले हमारे भारत में सत्ता-परिवर्तन वैध तरीके से ही हो सकता है और वह वैध तरीका वोट ही है। सत्तर के दशक में देश में ‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है’ का नारा लगा था। इस नारे में सिंहासन खाली

करने की बात जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि इसमें जनता के आने की दुहाई दी गई है। आज यदि कुछ तत्वों को यह लग रहा है कि वे वोट के अलावा किसी और तरीके से देश में सत्ता-परिवर्तन कर सकते हैं, तो यह उनकी खुशफहमी या नादानी ही हो सकती है। पिछले आठ दशकों का हमारा अनुभव और इतिहास इस बात का साक्षी है कि हमारी जनतांत्रिक परंपराओं की जड़ें बहुत मजबूत और गहरी हैं। आजादी प्राप्त करने के बाद के पांच-छह दशकों तक देश में कांग्रेस पार्टी का शासन रहा। फिर जनता के वोट से ही इसे बदला जा सका। मतदाता ने अपने वोट की ताकत से इंदिरा गांधी की सरकार को हटाया भी और फिर से स्थापित भी किया। अब भी, जब देश में कोई ऐसा परिवर्तन होगा, तो वोट की ताकत से ही होगा।

पुष्परंजन

पिछले हफ्ते के आखिर में फ्रांस में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ्रांस के धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया। जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों द्वारा किया गया एक सुनियोजित ‘हमला’ करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है। हालांकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएं (इस्लामोफोबिया) भड़काएंगे। अब बात यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले हफ्ते, जब फ्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया।

यह प्रस्ताव ‘इस्लामिस्ट एंटीज़्म’ (इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह, सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी) ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लॉयन भी इसी समूह से आती हैं। यह प्रस्ताव 381 वोटों के समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय संसद के 15 सदस्य इस मतदान से दूर रहे। चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी का समर्थन किया।

इस्लामो वामपंथ के विरुद्ध यूरोप में खुला मोर्चा



इनमें पैट्रियट्स फॉर यूरोप और यूरोप ऑफ सॉवरेन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन कंजर्वेटिव्स एंड रिफॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने ज्यादातर इसके खिलाफ वोट दिया, लेकिन वे इसे रोक नहीं पाए। यह प्रस्ताव फ्रांसीसी सरकार की ‘राजनीतिक इस्लामवाद’ पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर आधारित है।

इसमें ‘इस्लामिस्ट एंटीज़्म’ को ‘प्रभाव जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने की एक राजनीतिक रणनीति’ के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि ‘इस्लामी प्रभाव कई तरह के संगठनों और फाउंडेशनों के जरिए काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक, धर्मार्थ, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं।’ यूरोप में लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फीसदी हिस्सा हैं। इनमें

से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और इटली में रहती है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल निवासी शामिल हैं। फ्रांस में करीब 68 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10 प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फीसदी मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं। इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फीसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएं कुछ भी नहीं हैं।

फिर भी यूरोप डरा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत करता है। इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज कराना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की

संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फिर भी, यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की ‘घुसपैठ’ के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क अगेस्ट रेसिज्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के ‘इस्लामिस्ट’ व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है।

प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईयू फंडिंग रोक दी जाए। बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित ‘मुस्लिम ब्रदरहुड यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा’ शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी। प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफोबिया किस तरह विकसित हुआ है।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन-बी12 शरीर के तंत्रिका तंत्र यानी नर्वस सिस्टम और खून की कोशिकाओं के लिए जरूरी है। इसकी कमी से थकान, कमजोरी, याददाश्त और समझने की क्षमता में परेशानी हो सकती है। नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लोगों में बी12 की कमी चिंता-अवसाद, भ्रम और अन्य मानसिक बदलावों का कारण हो सकती है। इसकी कमी से हाथ-पैर में झनझनाहट और संतुलन की समस्या भी हो सकती है। विटामिन बी12 की कमी के कारण होने वाली चिंता-अवसाद, भ्रम की स्थिति कई लोगों में चिड़चिड़ापन और गुस्सा भी बढ़ा देती है।



नींद की कमी तो नहीं

नींद खराब होने पर दिनभर थकान-चिड़चिड़ापन और ध्यान लगाने में परेशानी बढ़ सकती है। स्ट्रेस के कारण भी नींद की समस्या, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। इसलिए लगातार चिंता और नींद में गड़बड़ी का एक-दूसरे पर असर हो सकता है। अगर यह समस्या रोजमर्रा के काम और रिश्तों को प्रभावित कर रही है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इसके अलावा चिंता और चिड़चिड़ापन के कई कारण हो सकते हैं, इसलिए केवल लक्षण देखकर इसका पता नहीं लगाया जा सकता। अगर आपको लगातार थकान-कमजोरी, हाथ-पैर में झनझनाहट या दूसरे शारीरिक लक्षण हैं तो समय रहते डॉक्टर से सलाह ले लें।

एनीमिया की समस्या

फोलेट यानी विटामिन बी9 की कमी से एनीमिया होने का खतरा होता है। एनीमिया का मतलब है शरीर में पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं या हीमोग्लोबिन न होना। इससे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। एनीमिया की स्थिति थकान, कमजोरी और मानसिक कार्यक्षमता में बदलाव की समस्याओं को बढ़ा देती है। इस तरह की समस्याएं कई लोगों में चिड़चिड़ापन को भी बढ़ा देती हैं।

चिड़चिड़ापन और स्ट्रेस का कारण पोषक तत्व की कमी भी हो सकता है

आपको भी क्या कुछ दिनों से हर छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आने लगा है, अक्सर बेचैनी रहती है और काम में ध्यान नहीं लगता? आमतौर पर इस तरह की दिक्कतों को स्ट्रेस-एंग्जाइटी का कारण माना जाता है। ये दिक्कत वैसे तो अपने आप ठीक भी हो जाती हैं, पर अगर आपको लगातार ये समस्या बनी रहती है तो इसपर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बिना वजह चिंता करते रहना या फिर चिड़चिड़ाहट होना हमेशा मानसिक तनाव का परिणाम नहीं होता। कई बार शरीर में किसी पोषक तत्व की कमी या दूसरी स्वास्थ्य समस्या भी ऐसे लक्षण पैदा कर सकती है। स्ट्रेस के दौरान चिड़चिड़ापन, थकान, बेचैनी, नींद में परेशानी या ध्यान लगाने में दिक्कत हो सकती है। पर इसी तरह के लक्षण कई बार कुछ शारीरिक समस्याओं का भी लक्षण हो सकते हैं। मसलन अगर लंबे समय से आपको चिंता और चिड़चिड़ापन महसूस हो रहा है तो इसे सिर्फ मेंटल स्ट्रेस मानकर छोड़ने की गलती न करें।



हंसना मना है

भिखारी- एक अदमी मुझसे पूछ रहा था कि मैं कितना कमा लेता हूँ, लेकिन मैं कुछ भी नहीं बोला और चुप रहा। दूसरा भिखारी- ऐसा क्यों? भिखारी- मुझे शक था कि कहीं ये इनकम टैक्स वाला तो नहीं है।

पति (मरते समय अपनी बीवी से)- अलमारी से तेरे सोने के गहने मैंने ही चोरी किए थे, बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे जो एक लाख रुपये दिए थे, वो भी मैंने ही गायब किए थे, पत्नी- कोई बात नहीं, मैंने आपको माफ किया, पति- तेरी कीमती साड़ियां भी मैंने ही चोरी कर अपनी प्रेमिका को दे दिए थे, पत्नी- कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी तो मैंने ही दिया था, अब आप आराम से मर जाइए...!

पत्नी- काश मैं न्यूज पेपर होती, कम से कम तुम रोज मुझे हाथों में तो लेते। पति- मैं ही यही सोचता काश तुम न्यूज पेपर होती, तो मुझे रोज नयी तो मिलती।

सहेली ने लड़की से पूछा- शादी की सारी तैयारी कर ली क्या? लड़की ने जवाब दिया- हां दोनों सिमकार्ड नाले में फेंक दिये, फोन तो पुरा फॉर्मेट ही कर दिया! लड़की खुश होते हुए फेसबुक भी डिलीट कर दिया! बस तू अपना मुंह बंद रखना!

कहानी

पड़ोसी राजा

एक समय की बात है, विजयनगर पर पड़ोसी देश के हमला करने का खतरा मंडरा रहा था। ऐसे समय में एक दरबारी ने महाराज को तेनालीराम के खिलाफ भड़काते हुए कहा कि आप जानते नहीं, लेकिन तेनालीराम पड़ोसी राज्य से मिला हुआ है। वो समय-समय पर राज दरबार की गुप्त बातें पड़ोसी देश के राजा को देता रहता है। महाराज गुस्से से बोले, मूर्ख! तेनाली राम के बारे में ऐसी बात करते हुए तुम्हें शर्म आनी चाहिए। वो विजयनगर का सबसे बफादार नागरिक है और देशभक्त भी है। दरबारी बोला, यह झूठ है महाराज। राजा ने तुरंत तेनालीराम को अपने द्वार में बुलाया और उससे पूछा कि क्या तुम पड़ोसी देश के राजा के गुप्तचर हो? तेनालीराम इसका जवाब न दे सके और रोने लगे। राजा ने कहा, तुम्हारी चुप्पी का मतलब यह है कि जो हमने सुना वो सच है। तेनालीराम बोले, आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए आप जो चाहे निर्णय ले सकते हैं। महाराज बोले, जाओ, जिस राजा की चापलूसी करते हो उसी के साथ रहो। तेनाली राम वहां से चल दिए। वह पड़ोसी राजा के दरबार में पहुंचे और उसकी तारीफ में उन्होंने कई गीत गाए। तेनालीराम की प्रशंसा से पड़ोसी राजा बहुत खुश हुआ और उससे उसका परिचय मांगा। तेनालीराम ने कहा, मैं विजयनगर के राजा कृष्णदेवराय का निजी सचिव हूँ। राजा बोले, विजयनगर तो हमारा दुश्मन है, फिर तुम वहां के निवासी होकर मेरे दरबार तक कैसे चले आए, क्या तुम्हें डर नहीं लगा? तेनालीराम बोले, आप हमें दुश्मन मानते हैं, जबकि हमारे राजा आपको दोस्त मानते हैं। पड़ोसी राजा ने चौंककर पूछा, लेकिन हमारे दरबारी तो कहते हैं कि कृष्णदेव राय हमें दुश्मन मानते हैं। तेनालीराम बोले, विजयनगर के दरबारी भी राजा को ऐसे ही भड़काते हैं, लेकिन हमारे राजा उनकी बातों में नहीं आते। वो तो आपकी तारीफ करते हैं। उनका कहना है कि पड़ोसी से दुश्मनी रखना कोई अच्छी बात नहीं है। पड़ोसी देश के राजा बोले, कहते तो तुम ठीक हो, लेकिन हम तुम्हारी बात कैसे मान लें? तेनाली बोले, मैं खुद उनका निजी सचिव हूँ और उन्होंने मुझे शांति प्रस्ताव लेकर भेजा है। पड़ोसी राजा को तेनाली राम की बात पर यकीन हो गया और बोले, तो अब हमें आगे क्या करने चाहिए? तेनालीराम ने सलाह दी कि एक संधिपत्र और कुछ उपहार विजयनगर राज्य पहुंचाएं और आगे बढ़कर विजयनगर से मित्रता स्वीकार करें। उन्होंने उपहारों की तैयारी शुरू करवा दी। उधर, कृष्णदेव को तेनाली राम की बेगुनाही का पता चल गया था और वो अपने व्यवहार पर बहुत पछता रहे थे। अगले दिन उन्होंने देखा कि दरबार में तेनालीराम और पड़ोसी राजा के दूत संधि का प्रस्ताव लेकर हाजिर थे। उनके साथ बहुत से उपहार भी थे। राजा ने तेनालीराम को प्रेमपूर्वक देखा। उन्हें मन ही मन विश्वास हो गया था कि दुश्मनी को दोस्ती में बदलने का काम सिर्फ तेनालीराम ही कर सकता है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

मेष 	कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। व्यापार में नए समझौते तय होंगे, बड़ा आर्थिक लाभ। परिवार और मित्रों के साथ संबंधों में प्रगति आएगी।	तुला 	नई जिम्मेदारी या पदोन्नति के योग हैं। साझेदारी के काम में उत्तम लाभ। पारिवारिक जीवन में सौहार्द रहेगा। धन आगमन का मार्ग प्रशस्त होगा।
वृषभ 	दफ्तर में शांति और योजनाबद्ध तरीके से काम निपटाएँ। व्यापारिक फैसलों में जल्दबाजी से बचें, सोच-समझकर निवेश करें। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बना रहेगा।	वृश्चिक 	कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर आपकी बढ़त बनी रहेगी। व्यापार में नए प्रयोगों से अच्छा मुनाफा मिलेगा। परिवार का समर्थन उत्साह बढ़ाएगा। अचानक धन प्राप्ति के योग।
मिथुन 	कार्यस्थल पर आपके विचारों और कार्यशैली को मान्यता मिलेगी। व्यापार में नए अवसरों से लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।	धनु 	बौद्धिक और रचनात्मक काम में बड़ी सफलता मिलेगी। व्यापार में नए निवेश से भविष्य में फायदा देगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी।
कर्क 	वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन तरक्की के रास्ते खोलेगा। व्यावसायिक यात्राएं सफल होंगी। परिजनों के साथ मनमुटाव दूर होगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।	मकर 	कार्यस्थल पर अतिरिक्त जिम्मेदारियों को संभाल से संभालें। कागजी कार्यवाई में पूरी सतर्कता बनाए रखें। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बेहतर रखें।
सिंह 	दफ्तर में प्रभावशीलता और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नए सौदे व्यापारिक स्थिति को मजबूती देंगे। प्रेम संबंधों में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ेगी।	कुम्भ 	बुद्धिमता और सुझावों से सभी काम निपटाएंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। मित्रों और प्रियजनों के साथ समय सुखद बीतेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।
कन्या 	कार्यस्थल पर ध्यान भटकने न दें, सजगता से काम करें। लेन-देन के मामलों में लिखा-पढ़ी स्पष्ट रखें। अपनों के साथ धैर्यपूर्वक बातचीत करें। पर्याप्त आराम लें।	मीन 	दफ्तर में आपकी सलाह और सुझावों की तारीफ होगी। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक माहौल आनंददायक रहेगा। धन संचय की योजना सफल रहेगी।



राधिका आपटे ने आलोचकों को दिया मुंहतोड़ जवाब

ट्रोल करने वाले लोग कायर होते हैं

महिलाओं की ताकत, सत्ता और संघर्ष की कहानी कहने वाली वेब सीरीज 'अक्का' रिशतों और महत्वाकांक्षाओं के बीच उलझी ऐसी दुनिया को सामने लाता है, जहां फैसले लेने वाली महिलाएं हैं। नेटफ्लिक्स पर आज से रिलीज हो रही। इस सीरीज में अभिनेत्री राधिका आपटे लीड रोल में नजर आएंगी।

लेटेस्ट वेब सीरीज अक्का में राधिका आपटे ने रुद्रा की भूमिका निभाई है। यह भूमिका निभाने को लेकर राधिका कहती है कि यह मेरा बहुत ही मसालेदार और खास अंदाज वाला किरदार

है। मैंने पहले कभी इस तरह डायलागबाजी नहीं की थी। इसमें तो पूरा जोर संवाद अदायगी पर ही है। यह एक भव्य पीरियड ड्रामा है, जिसमें हर चीज को खास अंदाज में पेश किया गया है। शो में मेरा पात्र मुंबई से है। तो इस किरदार को निभाने के लिए मुझे अपनी हिंदी पर मेहनत करनी पड़ी क्योंकि मेरी हिंदी थोड़ी कमजोर है। जब मुझे संवाद पहले से मिल जाते हैं, तो ज्यादा परेशानी नहीं होती, लेकिन बाद में मिलते हैं तो इंप्रोवाइजेशन में मुझे दिक्कत आती है। सीरीज में रुद्रा सत्ता पर काबिज होना चाहती है। असल जिंदगी में ताकत के मायने को लेकर राधिका कहती हैं कि मेरे लिए ताकत का मतलब है अपनी ताकत और अपने विशेषाधिकारों को पहचानना।



अमेरिका में रामायण के प्रीमियर का असर, एडवांस बुकिंग में काटा गदर

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी और रणबीर कपूर, साई पल्लवी व यश स्टारर फिल्म रामायण को लेकर दुनियाभर में एक अलग ही माहौल देखने को मिल रहा है। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में हुए इसके भव्य प्रीमियर के बाद विदेशी बाजार में फिल्म की एडवांस बुकिंग में एक जोरदार उछाल दर्ज किया गया है। भारतीय सिनेमा के इतिहास में पहली बार किसी फिल्म का इतने बड़े वैश्विक स्तर पर प्रमोशन किया जा रहा है। चूंकि यह एक बेहद भव्य और बड़ा प्रोजेक्ट है, इसलिए इसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत प्रदर्शन करना बेहद जरूरी माना जा रहा था। लॉस एंजिल्स प्रीमियर से

मिली पॉजिटिव रिव्यूज ने अमेरिका में फिल्म की कमाई को वो रफतार दे दी है, जिसकी मेकर्स को काफी समय से उम्मीद थी। लॉस एंजिल्स में हुए प्रीमियर के बाद मिले शुरुआती रिव्यूज ने ओवरसीज मार्केट में फिल्म की रफतार को दोगुना कर दिया है। सैकनलिक के आंकड़ों की मानें तो महज 24 घंटों के भीतर अमेरिका में फिल्म की एडवांस टिकट बिक्री 631,000 डॉलर से बढ़कर 800,000 डॉलर (लगभग 6.6 करोड़ रुपये) पर पहुंच गई है। यह सीधे तौर पर 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है, जिससे सिर्फ एक दिन में 169,000 डॉलर की अतिरिक्त कमाई हुई है।

ट्रेलिंग पर बोली राधिका

इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर होने वाली ट्रेलिंग पर कलाकार मुखर हो रहे हैं। ट्रेलिंग करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने को लेकर राधिका कहती हैं कि मैं इंटरनेट मीडिया ज्यादा नहीं देखती। इसलिए मुझे वास्तव में इसके बारे में ज्यादा पता नहीं है। जिन लोगों के पास समय होता है, वे ही ट्रोल करते हैं। मुझे उनसे कुछ कहना भी नहीं है। मुझे ट्रोल करना है, तो कीजिए। मैं तो उस पर ध्यान ही नहीं देती। मेरे लिए यह समय की बर्बादी है। ट्रोल करने वाले कायर होते हैं।

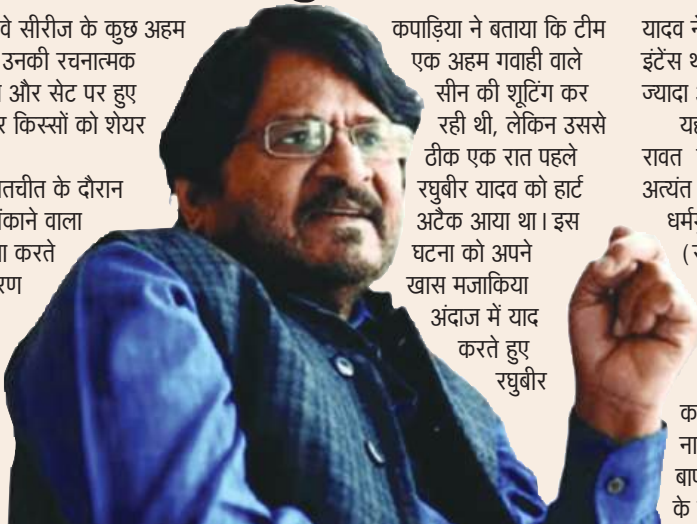
हुंकार की शूटिंग से एक रात पहले रघुबीर यादव को आया था हार्ट अटैक

हुंकार: द रोअर को इसकी दिलचस्प कहानी, दमदार पटकथा और शानदार अभिनय के लिए दर्शकों की खूब सराहना मिल रही है। इस सीरीज में रघुबीर यादव ने बापजी का किरदार निभाया है। इस भूमिका में दिग्गज अभिनेता पहली बार एक बिल्कुल अलग और नकारात्मक अंदाज में नजर आ रहे हैं। अपने दमदार व्यक्तित्व, बारीक अभिनय और प्रभावशाली अंदाज से उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा।

सीरीज के एक खास सीन ब्रेकडाउन में निर्देशक करण कपाड़िया और रघुबीर यादव दर्शकों को पर्दे के पीछे की दुनिया में ले जाते हैं। इस

दौरान वे सीरीज के कुछ अहम दृश्यों, उनकी रचनात्मक प्रक्रिया और सेट पर हुए यादगार किस्सों को शेयर किया।

बातचीत के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए करण



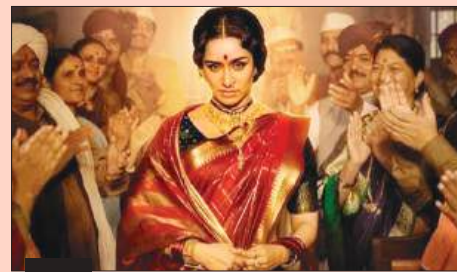
कपाड़िया ने बताया कि टीम एक अहम गवाही वाले सीन की शूटिंग कर रही थी, लेकिन उससे ठीक एक रात पहले रघुबीर यादव को हार्ट अटैक आया था। इस घटना को अपने खास मजाकिया अंदाज में याद करते हुए रघुबीर

यादव ने हंसते हुए कहा कि सीन इतना इंटेंस था कि उन्हें हार्ट अटैक आना ही ज्यादा अच्छा लगा।

यह सीरीज 17 वर्षीय छात्रा मीनू रावत के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अत्यंत शक्तिशाली और रसूखदार धर्मगुरु सुनील बापजी चाकोसी (रघुबीर यादव) पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाती है। बापजी का राजनीतिक और सामाजिक रसूख इतना ज्यादा है कि उसका नाम सुनते ही पुलिस वाले कांप जाते हैं। चूंकि, मामला नाबालिग लड़की का था, इसलिए बापजी के खिलाफ POCSO एक्ट के तहत केस दर्ज किया जाता है।

ईठा का ट्रेलर रिलीज

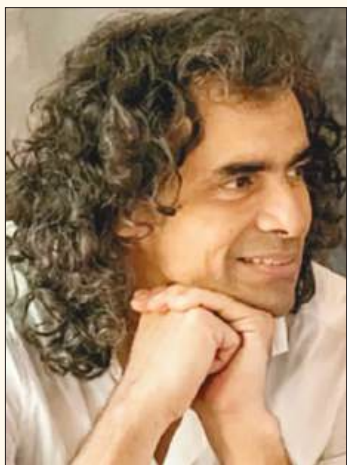
विठाबाई के किरदार में छाई श्रद्धा कपूर



श्रद्धा कपूर के फैस को उनकी अपकमिंग फिल्म ईठा का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म पहले अगस्त में यश स्टारर टॉक्सिक से टकराने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी और अब यह दिसंबर में रिलीज होगी। फिल्म का धांसू ट्रेलर मेकर्स ने आज रिलीज कर दिया है। मैडोक फिल्मस ने ट्रेलर रिलीज करते हुए लिखा, पर्दा उठ चुका है, तमाशा सज चुका है। वहीं यूट्यूब पर बायोग्राफिकल फिल्म का धांसू ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसमें श्रद्धा कपूर मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर के किरदार में पावरफुल अवतार में नजर आ रही है। ट्रेलर की शुरुआत श्रद्धा कपूर के पावरफुल डायलॉग से होती है- तुम्हीं ने कहा था ना कि देखते हैं पहले क्या टूटता है? मेरा भरोसा या मेरा घमंड, मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे, जब वो टूट गया ना सब टूट गया। ट्रेलर में आगे ईठा की जर्नी को दिखाया जाता है कि कितना संघर्ष करके वह एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार बनी। ट्रेलर में जीशान अयूब का पावरफुल वॉइसओवर भी है।

समाज में अंधविश्वास बढ़ता जा रहा है : इम्तियाज अली

सफलता केवल चाहने से नहीं, बल्कि लक्ष्य तय करके प्रयास करने से मिलती है। यह कहना है लव आज कल और जब वी मेट फिल्मों के निर्देशक इम्तियाज अली का। इम्तियाज अली ने कहा, अपने लिए चीजें आसान मत बनाओ, जो पाना है, उसके बारे में सोचकर उसे ब्रह्मांड के भरोसे मत छोड़ो कि हो जाएगा। आपको सफलता तभी मिल सकती है, जब आप एक लक्ष्य तय करें और उसकी ओर शिद्दत से काम करें। आप आज की स्मार्ट पीढ़ी हैं, लोगों के बनाने से बेवकूफ न बनें। निर्देशक ने लोगों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए आगे कहा, आप में जितनी क्षमता और समझ है, जो अवल है, उसका पूरा प्रयोग करें। फिर आप वह सब कुछ पा सकेंगे, जो आपको चाहिए। केवल सोचते रहने और चाह रखने से अगर किसी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिल जाता तो सब कलाकारों को मिल गया होता, क्योंकि हर कलाकार अवार्ड की चाह रखता है। कई बार मुझे लगता है कि हमारे समाज में



अंधविश्वास बढ़ता जा रहा है। कई बार तो लोग नाम की स्पेलिंग तक बदल देते हैं, मुझे लगता कि उससे बेहतर है प्रयास करो। मैं वापस आउंगा की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद अब हाल ही में इम्तियाज अली ने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है।

अमृता सिंह और सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान के खिलाफ फतवा जारी कर दिया गया है। बता दें कि ऐसा इसलिए हुआ कि वह हाल ही में केदारनाथ मंदिर के दर्शन करने पहुंची थीं और पिछले चार सालों से लगातार वहां जाती रही हैं। सारा अली खान हमेशा से ही इस मंदिर के प्रति अपना आस्था को जगजाहिर करती दिखी हैं लेकिन इस बार उत्तर प्रदेश के इस्लामिक धर्मगुरु मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी को ये बात चुभ गई है। उन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर फतवा जारी किया है। सारा अली खान की कुछ झलकियां सामने आईं जिनमें वो कड़ाके की ठंड में मंदिर के बाहर कतार में खड़ी होकर दर्शन का इंतजार करती दिखीं। सारा अक्सर केदारनाथ जाया करती हैं और इस साल भी 25 अक्टूबर को वहां पहुंच गईं। अब एक वीडियो जारी कर मौलाना मुफ्ती ने उनके खिलाफ फतवा जारी कर उन्हें तौबा करने को कहा है। उन्होंने कहा कि शरीयत की नजर में सारा अली खान गुनहगार हैं और उन्हें तौबा करनी चाहिए। उन्होंने कहा है कि दूसरे धर्म के हिसाब से पूजा करना शरिया के तहत गलत और हराम है। इसी के साथ उन्होंने सारा से अल्लाह से माफी मांगने को भी कहा है एक गुनहगार की तरह इससे तौबा करने की भी बात कही है।

सारा अली खान के खिलाफ जारी हुआ फतवा



कर्नाटक में येदियुरप्पा और देवेगौड़ा की मुलाकात के बाद गरमाई सियासत

» भाजपा व जेडीएस विस चुनाव में एक साथ उतरेंगे
» खरगे परिवार ने सिद्धारमैया के खिलाफ साजिश रची : कुमारस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर बड़े सियासी उलटफेर की सुगबुगाहट तेज हो गई है। राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (सेवयुलर) के सुप्रीमो एच डी देवेगौड़ा से एक महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस बैठक के बाद येदियुरप्पा ने स्पष्ट संकेत दिए कि राज्य के आगामी चुनावों में कांग्रेस को मात देने के लिए भाजपा और जेडीएस को एक साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरना होगा। वहीं कांग्रेस के मंत्री प्रियांक खरगे ने जेडीएस नेता कु मार स्वामी को करारा हमला बोला है।
उन्हे मतलबी बता दिया है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने कहा

कि राज्य में सत्ता में वापसी के लिए भाजपा और जनता दल (सेवयुलर) को भविष्य के चुनाव मिलकर लड़ने चाहिए। उन्होंने यह बात पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल के प्रमुख एच डी देवेगौड़ा से मुलाकात के बाद कही। यहां पञ्चानभनगर स्थित देवेगौड़ा के आवास पर उनसे मुलाकात के बाद कर्नाटक में भाजपा के वरिष्ठ नेता येदियुरप्पा ने कहा कि दोनों नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और देवेगौड़ा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का सुझाव दिया। जब केंद्रीय मंत्री और जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके बेटे, कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एक स्टिंग ऑपरेशन की साजिश रची है, ताकि उनकी छवि खराब की जा सके। कुमारस्वामी ने कहा कि खड़गे परिवार अपनी पुरानी रंजिश निकाल रहा है, क्योंकि अतीत में सिद्धारमैया की वजह से ही मल्लिकार्जुन खरगे मुख्यमंत्री का पद

सरकार को जल्द से जल्द बदला जाना चाहिए: येदियुरप्पा

येदियुरप्पा ने कहा, केवल भाजपा और जनता दल (सेवयुलर) के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर ही हम अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। उनका भी यही सुझाव था और मेरी भी यही राय है।” उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा मौजूदा सरकार से नाखुश हैं। येदियुरप्पा ने कहा, सरकार को जल्द से जल्द बदला जाना चाहिए और इस

लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें मिलकर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उनका यही सुझाव था। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने करीब 30 मिनट तक इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। भाजपा-जनता दल (सेवयुलर) गठबंधन के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर येदियुरप्पा ने कहा, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और देवेगौड़ा साथ

बैठकर चर्चा करने के बाद जो भी फैसला करेंगे, हम उसके लिए प्रतिबद्ध हैं। कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य में बी एस येदियुरप्पा (सिंगायत समुदाय के सर्वमान्य नेता) और एच डी देवेगौड़ा (वोकालिगा समुदाय के प्रभावशाली नेता) का एक साथ आना एक बड़े सामाजिक और राजनीतिक समीकरण का निर्माण करता है।

पाने से चूक गए थे।

कुमारस्वामी ने आरोप लगाया मंत्री प्रियांक खरगे का असली मकसद कुमारस्वामी को खत्म

करना नहीं, बल्कि सिद्धारमैया की छवि खराब करना है। इस मामले को कुमारस्वामी के नाम से जोड़ना और अंत में खुद सिद्धारमैया को ही फंसाना, खरगे परिवार और मौजूदा मुख्यमंत्री की एक अंदरूनी साजिश है।



कुमार स्वामी राजनीति के अवसरवादी नेता : प्रियांक खरगे

मल्लिकार्जुन खड़गे पर कुमारस्वामी की टिप्पणी के जवाब में अपनी पोस्ट में कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने पुर्नरदास का एक पद साझा किया- बेल्लाडा कट्टेया कट्टे, बेदिना बीजावा बिट्टी, जेनु मलेगारेदारे विषा लेगुबुदेनारया - पुर्नरदासड्ड (अगर आप गुड का ढेर लगा दें, उसमें नीम के बीज बो दें और उस पर लहद जैसी बारिश भी कर दें, तो वया उसका जहर या कड़वाहट खत्म हो जाएगी? इसके बाद उन्होंने अपनी पत्रावलि और अपने बड़े से मिले संस्कारों का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हीं से तय होता है कि उन्हें क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं। उन्होंने कहा कि मेरे घर में जिस तरह का पालन-पोषण हुआ है, और मेरे बड़े ने मुझे जो संस्कार और मूल्य सिखाए हैं, वे मेरी वाणी की मर्यादा तय करते हैं। जो पिता जीवन और पध्यान देने के बावजूद अस्पताल में मर्ती हैं, उन्हें छोड़कर सत्ता की ओर भागना... कल जिस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ें, आज वहां से चुनाव लड़ने में असमर्थ होना... और आज जिस निर्वाचन क्षेत्र में आसु बसाए, कल वहां मुड़कर भी न देखना... अपने ही भाई और उन लोगों का भरोसा तोड़ना जिन्होंने कभी उनका हाथ थामा था... जो व्यक्ति खुद को दिए गए धोड़े पर भी सवार नहीं हो सकता, वह जितना अधिक बोलता है, पुर्नरदास के कौतूहल की सार्थकता उतनी ही अधिक सिद्ध होती जाती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने 50,000 करोड़ की सरकारी जमीन को बचा लिया : रेंवत
» केसीआर और बीआरएस पर बरसे तेलंगाना के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेंवत रेड्डी ने मियापुर जमीनों पर सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को पिछली बीआरएस सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के मुंह पर एक तमाचा बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मियापुर में 50,000 करोड़ रुपये की कीमती सरकारी जमीनों को बचा लिया है। रेंवत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री, उनके करीबी रिश्तेदार दामोदर राव और गोल्डस्टोन प्रसाद पर मियापुर की जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाया। कब्जा करने वालों ने दामोदर राव को महंगी कारें दीं, और बीआरएस को रिश्तत (किक्बैक) दी गई।



जमीनों को बचाने के लिए, मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने अदालत में मजबूत पक्ष रखा और जीत हासिल की। इस फैसले के बाद, अधिकारियों को जमीनों का कब्जा लेने के लिए ज़रूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर, उनके परिवार के सदस्यों और बीआरएस नेताओं ने हैदराबाद और पूरे तेलंगाना में कीमती जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश की। उन्होंने विधायक, सांसद और पीसीसी अध्यक्ष रहते हुए के सीआर परिवार द्वारा जमीन हड़पने के प्रयासों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

तीन लार्शें गिरने के बाद जागा कमिशनरेट!

» डीजीपी के दौरे से पुलिस पर कार्रवाई की संभावना बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
लखनऊ। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र के नौबस्ता ब्राह्मण टोला में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या के बाद पुलिस महकमे में कार्रवाई का सिलसिला शुरू हुआ तो पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी। लेकिन इस तिहरे हत्याकांड ने लखनऊ पुलिस कमिशनरेट के सामने ऐसा सवाल छोड़ दिया है, जिसका जवाब महज पुलिसकर्मियों को हटाने से नहीं मिलने वाला। आखिर अपराध रोकने के लिए जिम्मेदार पुलिस व्यवस्था को सक्रिय होने के लिए तीन जिंदगियों के खत्म होने का इंतजार क्यों करना पड़ा? डीजीपी राजीव कृष्ण के पहुंचने से पहले इंसपेक्टर और चौकी इंचार्ज को हटा दिया गया। इसके बाद डीजीपी के पहुंचने पर सिपाहियों पर भी कार्रवाई हुई।



वहीं डीजीपी के पहुंचने के बाद कई पुलिस कर्मियों पर गाज गिरने का खतरा मंडरा रहा है। जमीनी विवाद के मामलों पर जोर देने की कवायद तेज होगी। सवाल उठता है कि स्थानीय पुलिस की कार्यशैली में खामियां थीं तो उनकी निगरानी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही कैसे तय होगी? नौबस्ता ब्राह्मण टोला में चबूतरे के विवाद में तीन हत्याएं, क्या पहले रोका जा सकता था खूनी संघर्ष?

लखनऊ के थानों में कितने जमीन विवाद बन सकते हैं अगला सआदतगंज?

इस हत्याकांड ने राजधानी के थानों में दर्ज जमीन, मकान, कच्चेदारी और आपसी रंजिश से जुड़े विवादों की समीक्षा की जरूरत भी सामने ला दी है। कितने फरियादी ऐसे होंगे जो महीने से थानों के चक्कर काट रहे हैं? कितने मामलों में दोनों पक्षों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है? क्या पुलिस के पास ऐसे संवेदनशील विवादों की नियमित निगरानी की कोई प्रभावी व्यवस्था है? जरूरत इस बात की है कि पुलिस कमिशनरेट सभी थानों से गंभीर और लंबित विवादों की रिपोर्ट तालब करे। जिन मामलों में हिसा की आशका हो, वहां समय रहते कानूनी और निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सआदतगंज जैसी घटना की पुनरावृत्ति रोकना ही इस कार्रवाई की असली कसौटी होगी।

सआदतगंज के नौबस्ता ब्राह्मण टोला इलाके में चबूतरे को लेकर हुए विवाद में शिवाजी तिवारी, उनके भाई शंभू तिवारी और बेटे सुयश तिवारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात का सामने आया वीडियो कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरा है।

लापरवाही पर वेतन की मार!

» नगर निगम के 22 टैक्स इंसपेक्टरों व 3 करअधीक्षकों पर गिरी गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
लखनऊ। कभी बेहतर काम के लिए इनाम और दिवाली के मौके पर बोनस पाने वाले लखनऊ नगर निगम के राजस्व विभाग में अब वेतन रोकने की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। हाउस टैक्स वसूली में फिसड्डी साबित हुए 22 टैक्स इंसपेक्टरों पर नगर आयुक्त गौरव कुमार का चाबुक चला है। एकमुश्त समाधान योजना में लापरवाही और राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर इन कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है।

कार्रवाई की जद में तीन कर अधीक्षकों के नाम भी शामिल बताए गए हैं। नगर निगम के राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर इस कार्रवाई ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस विभाग में कभी बेहतर प्रदर्शन पर कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाता था, उसी विभाग में अब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों पर कार्रवाई की नौबत आ गई है।

टी20 में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार

» न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को 87 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
ऑकलैंड। न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। इस हार के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार 10 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी टूट गया। रनों के लिहाज से यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले साल 2026 में ही इंग्लैंड ने भारत को 125 रनों से हराया था।

भारतीय टीम को चौथे मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों विभागों में निराशा हाथ लगी। 260 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन महज चार रन बनाकर आउट हो गए, जबकि ईशान किशन अपना खाता भी नहीं खोल सके। अभिषेक शर्मा भी 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। श्रेयस अय्यर भी 22 रन ही बना सके। अक्षर पटेल सात

और नीतीश कुमार रेड्डी 21 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा भारतीय पारी के सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने 35 रन बनाए, जबकि नमन धीर ने 28 रनों का योगदान दिया। प्रिंस यादव 18 रन बनाकर नाबाद लौटे। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 259 रन बनाए। टीम को ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 49 गेंदों में 107 रन ठोक दिए। माइकल ब्रेसवेल ने भी 25 गेंदों में 65 रन बनाए। इसके अलावा फिन एलन ने 17 गेंदों में 31 और डेरिल मिचेल ने 9 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।



अर्शदीप टी20 में सबसे कम गेंदों पर 150 विकेट लेने वाले बने तीसरे गेंदबाज

ऑकलैंड। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। अर्शदीप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। अर्शदीप सबसे कम गेंदों पर ऐसा करने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। टी20 में सबसे कम गेंदों पर 150 विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के वानिंदु ह्सरंगा के नाम है। वहीं, इस सूची में दूसरे स्थान पर सलिर खान हैं। भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अर्शदीप सबसे ऊपर हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह 126 विकेटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अर्शदीप ने जुलाई 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और जनवरी 2025 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान वह इस फॉर्म में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए थे। अब अर्शदीप भारत के एकमात्र गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टी20 में 150 विकेट पूरे किए हैं। अर्शदीप एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप इस साल अब तक 40 टी20 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। दूसरे स्थान पर जोश लिटिल हैं जिन्होंने 2022 में 39 विकेट चटके थे। वहीं, 2024 में वानिंदु ह्सरंगा ने 38 और 2022 में मुनेश्वर कुमार ने टी20 में 37 विकेट अपने नाम किए थे।

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हिंदी सिनेमा के जाने-माने फिल्म निर्देशक संजय गुप्ता के आकस्मिक निधन पर फिल्म सहिया के निर्माता एवं निर्देशक संजय शर्मा ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संजय शर्मा ने कहा कि संजय गुप्ता का अचानक इस दुनिया से चले जाना अत्यंत दुःख और स्तब्ध करने वाला है। उनका निधन भारतीय फिल्म जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, जिंदगी कितनी अनिश्चित है, इसका एहसास ऐसी दुःख घटनाओं से होता है।

जो फिल्मकार पर्दे पर जिंदगी, मौत, संघर्ष और रोमांच की कहानियां रचता रहा, उसका अपना जीवन इस तरह अचानक समाप्त हो जाएगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा। संजय शर्मा



ने कहा कि संजय गुप्ता उन फिल्मकारों में शामिल थे जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अपराध,

अंडरवर्ल्ड और एक्शन फिल्मों को एक अलग पहचान दी। आतिश, काटे, मुसाफिर, जिंदा, शूटआउट एट वडाला, जज्बा, काबिल और मुंबई सागा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी विशिष्ट निर्देशन शैली स्थापित की। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साधना है। एक

फिल्म सहिया के निर्माता एवं निर्देशक ने दी श्रद्धांजलि

फिल्मकार वर्षों की मेहनत, कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता से अपनी अलग पहचान बनाता है। संजय गुप्ता ने अपनी फिल्मों के माध्यम से हिंदी सिनेमा पर जो छाप छोड़ी है, वह लंबे समय तक याद की जाएगी। संजय शर्मा ने कहा, एक फिल्मकार के रूप में मैं इस दुःख को गहराई से महसूस कर सकता

हूँ, किसी निर्देशक के चले जाने से केवल एक व्यक्ति नहीं जाता, उसके साथ अनगिनत अधूरी कल्पनाएं, अनकही कहानियां और भविष्य की संभावनाएं भी समाप्त हो जाती हैं। लेकिन उसकी बनाई फिल्में उसे हमेशा जीवित रखती हैं। उन्होंने दिवंगत फिल्मकार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार, मित्रों, सहयोगियों और प्रशंसकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

चुनाव आयोग पर पूरी ताकत से कल विपक्ष करेगा प्रहार

कांग्रेस समेत पूरे इंडिया गठबंधन के नेता होंगे शामिल

नेता प्रतिपक्ष ने रैली का रूट मैप शेयर किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन रविवार (1 नवंबर) को दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रैली करेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को इस रैली का रूट मैप शेयर कर दिया।

उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए सभी से इस रैली में शामिल होने की अपील की। इंडिया गठबंधन इससे पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सांकेतिक जन

खरगे के घर विपक्ष का जन महाभियोग कार्यक्रम होगा

कांग्रेस नेता शनिवार दोपहर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर जुटेगे। यहां ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन महाभियोग का कार्यक्रम रखा गया है। मीरा कुमार इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। जबकि खरगे प्रस्ताव पेश करेंगे।

महाभियोग लाने की तैयारी में है। राहुल गांधी ने एक्स पर मैप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कल मिलते हैं, साथ चलते हैं!

कल मिलते हैं, साथ चलते हैं : राहुल



कनॉट प्लेस, मिंटो रोड जंक्शन, अजमेरी गेट, रामलीला मैदान। इंडिया गठबंधन की इस रैली में हजारों लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। शुक्रवार को हुई बारिश की वजह से मैदान में पानी भर गया था, लेकिन शनिवार को काफी काम हुआ और मैदान को रैली के लिए तैयार किया गया।

सरदार पटेल की छवि को नुकसान पहुंचा रहे अमित शाह : सलमान खुशींद

सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर उन्हें उचित सम्मान न देने का आरोप लगाया है। शाह के बयान पर अब कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता सलमान खुशींद ने अमित शाह पर सरदार पटेल की छवि को खराब करने और अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ऐसी टिप्पणियों के पीछे की मंशा समझ से परे है। शनिवार को सलमान खुशींद ने कहा कि सरदार पटेल का योगदान देश के इतिहास में बेहद अहम है। ऐसे में उनके नाम पर की जाने वाली इस तरह की बयानबाजी की मंशा समझ से परे है। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणियों से सरदार पटेल की छवि प्रभावित होती है और उनके प्रति लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचती है।

कार खाई में गिरने से दो महिलाओं सहित चार की मौत, एक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में शनिवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। टापरी-जानी संपर्क सड़क से शनिवार सुबह एक कार खाई में गिर गई। हादसे में मां-बेटे, ननद सहित चालक के भाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक को उपचार के लिए जेएसडब्ल्यू अस्पताल टापरी पहुंचाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस थाना टापरी से मिली जानकारी के अनुसार कार एचपी 26बी-8999 में पांच लोग टापरी से जानी गांव की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 8:30 बजे जैसे ही कार टापरी से कुछ दूर टावर के पास पहुंची तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सड़क से करीब 150 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस थाना टापरी को दी। पुलिस का दल मौके पर पहुंचा। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद मृतकों और घायल को खाई से बाहर निकाला।

हादसे में कृष्णा (42) पत्नी नरेश कुमार निवासी जानी निचार, हिमेश कुमार (19) पुत्र नरेश कुमार गांव जानी, सुष्मा (47) पत्नी रोशन लाल निवासी ग्रांगे निचार और इंद्र लाल (30) पुत्र हरि लाल निवासी जानी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कृष्णा और हिमेश मां-बेटे थे। कार चालक विद्या कृष्ण (32) पुत्र हरि लाल निवासी जानी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जेएसडब्ल्यू अस्पताल टापरी पहुंचाया गया है। कार्यवाहक एसपी एवं डीएसपी भावानगर राजकुमार ने बताया कि सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हुई है, जबकि चालक घायल है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

पंजाब चुनाव के लिए आप की पहली लिस्ट जारी

40 उम्मीदवारों समेत संजीव अरोड़ा

व दिनेश चड्ढा की सीटों की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आप ने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान, विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां और मंत्री संजीव अरोड़ा समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी मौजूदा सेट संगरूर में धुरी से ही चुनाव लड़ेंगे।

ईडी द्वारा प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किए गए मंत्री संजीव अरोड़ा लुधियाना वेस्ट से चुनाव लड़ेंगे, संजीव अरोड़ा अभी जेल में हैं। फरीदकोट में कोटकपूरा सीट से दोबारा चुनाव लड़ेंगे। विधानसभा में पार्टी की के वित्त बलजिंदर कौर बटिंडा में तलवंडी साबो सीट से दोबारा चुनाव लड़ेंगी। पूर्व मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल अमृतसर में अजनाला सीट से दोबारा प्रत्याशी होंगे। फिलहाल विधानसभा में आप के 94 विधायक हैं और इनमें से बहुत विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं।

पुण्यतिथि पर याद की गई पूर्व पीएम इंदिरा गांधी

कांग्रेस नेता राहुल-खरगे ने दी श्रद्धांजलि

प्रियंका ने खास अंदाज में किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आज 42वीं पुण्यतिथि है। इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर शक्ति स्थल पर आयोजित समारोह में कांग्रेस के कई बड़े नेता पहुंचे थे। शक्ति स्थल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने शक्ति स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि पर शक्ति स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

हम उनके साहस, सशक्त नेतृत्व और भारत की एकता, अखंडता तथा प्रगति के प्रति उनके आजीवन समर्पण को याद करते हैं। इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर पोती



सरदार पटेल के प्रति इंदिरा का सम्मान नहीं मिला सकते इतिहास विकृत करने वाले : जयराम

जयराम रमेश ने शनिवार को 1947 की एक दुर्लभ तस्वीर साझा की, जिसमें इंदिरा गांधी तत्कालीन उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का अभिवादन करती नजर आ रही हैं। रमेश ने कहा कि "इतिहास को विकृत करने वाले" पटेल के प्रति इंदिरा गांधी के गहरे सम्मान और प्रशंसा को गिना नहीं सकते। कांग्रेस नेता ने पटेल की जयंती और इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दोनों दृढ़ निश्चय और अद्वय व्यक्ति थे तथा दोनों ने उपमहाद्वीप के भूगोल और इतिहास को नया आकार दिया।

प्रियंका गांधी ने उन्हें याद किया। प्रियंका गांधी ने अपनी दादी के साथ बचपन की फोटो शेयर की हैं। उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर करते हुए लिखा, वो कितनी सुंदर स्त्री थी! आकाश जैसी मुक्त, समुद्र जैसी गहरी, धरती जैसी सहनशील और

अग्नि से भी अधिक तेजस्वी। राहुल गांधी ने दादी को याद करते हुए पोस्ट शेयर किया। उन्होंने बचपन की फोटो शेयर की हैं जिसमें वो उनकी गोद में बैठे हैं। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए लिखा, आपकी गोद में बैठा हूँ। आपके दोनों हाथ थामे हुए। आपकी आवाज

उनका साहस हमारी प्रेरणा है, उनका बलिदान हमारी अमिट स्मृति : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने किया नमन मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदिरा गांधी के लिए पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, जब तक तुझमें सांस है तब तक सेवा ही नहीं जाएगी और जब मेरी जान जाएगी तब मैं ये कह सकती हूँ कि एक एक खून का कतरा जितना मेरा है, वह एक-एक खून का कतरा एक भारत को जीवित करेगा इंदिरा गांधी। अद्वय साहस, अद्वैत संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व की प्रतीक, भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं हमारी प्रेरणास्रोत श्रीमती इंदिरा गांधी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनका समर्पण तथा आधुनिक भारत के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान सदैव हमारी राष्ट्रीय चेतना में जीवित रहेगा। उनका साहस हमारी प्रेरणा है, उनका बलिदान हमारी अमिट स्मृति।

से ये शब्द सुन रहा हूँ और आपके पीछे-पीछे इन्हें दोहरा रहा हूँ। असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय, शांति, शांति, शांति। दादी, आपने मुझे कितना सुंदर उपहार दिया है। क्या कमाल का उपहार है! मैंने कभी सोचा भी नहीं था।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website : www.4pm.co.in |

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा

द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा